निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो,
ओ.डी.ओ.पी. प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश

दिनांक 13 मार्च, 2018 को आयोजित एक जनपद–एक उत्पाद योजना की नई दिल्ली में सम्पन्न बैठक के कार्यवाही योग्य बिन्दु

- इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा प्रति वर्ष 40 से 50 अन्तर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग मेलों में प्रतिभाग किया जाता है, इसके लिये योजना एवं रणनीति बनाये जाने की आवश्यकता है।

(इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के प्रतिनिधि)

- राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में एक राज्य स्तरीय एजेन्सी चिन्हित कर अवगत कराये ताकि हैण्डीक्राफ्ट से सम्बन्धित कार्य उस एजेन्सी से कराया जा सके।

(विकास आयुक्त, हैण्डीक्राफ्ट के प्रतिनिधि)

- विकास आयुक्त, हैण्डीक्राफ्ट की "गांधी शिल्प हाट" योजना के अन्तर्गत प्रदर्शनी लगायी जाये जिसमें कुशल बुनकरों को प्रोत्साहित किया जाये तथा उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय मेंलों में प्रतिभाग कराया जाये।

(कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के प्रतिनिधि)

- जुलाई, 2018 में एशिया इण्डिया फैशन ज्वैलरी शो का आयोजन किया जाना है जिसमें ओडीओपी के उत्पाद जैसे–बांदा की बिन्दी तथा सम्भल की हार्न एवं बोन की ज्वैलरी का प्रदर्शन कराया जा सकता है।

(श्री राकेश कुमार, अधिशासी निदेशक, एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फार हैण्डीक्राफ्टस)

- सरकार द्वारा क्षेत्र/उत्पाद विशिष्ट इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित करना चाहिए जिनमें ओडीओपी उत्पादों से सम्बन्धित हस्तशिल्पियों को दो से तीन माह का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाये।

(नेशनल स्माल इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन (NSIC) के प्रतिनिधि)

- राज्य सरकार अपने इवेन्ट का कैलेण्डर आई.टी.पी.ओ. के वार्षिक कैलेण्डर के अनुसार तैयार कर MOU कराया जाये जिससे समय से प्रतिभाग न कर पाने की समस्या उत्पन्न नहीं होगी।

(श्री दीपक कुमार, अधिशासी निदेशक, इण्डियन ट्रेड प्रमोशन आरगेनाईजेशन(ITPO)

- Amazon के उपयुक्त प्रतिनिधि के साथ एक बैठक लखनऊ में करने की आवश्यकता है।

(Amazon के प्रतिनिधि)

- क्राफ्ट टूरिज्म का विकास किया जाये। जनपद में चिन्हित उत्पादों से सम्बन्धित मेलों का आयोजन कराया जाये।

(इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रतिनिधि)

- जागरूकता हेतु कैम्प लगाये जायें। प्रत्येक जनपद में एक्जीविशन सेन्टर स्थापित कराये जायें।

(इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रतिनिधि)